आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–21 जुलाई 2025 भोजपुरी समाचार

संसद क मॉनसून सत्र आजु से सुरू हो गइल। ई सत्र एक्कइस अगस्त ले चली। येह दौरान कुलि एक्कइस बइठकी होई। ऑपरेसन सिंदूर के बाद ई संसद क पहिला सत्र हौ।

मॉनसून सत्र क सुरूआति से पहिले संवाददाता लोगिन के सम्बोधित करत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आसा जतवलें कि संसद क मॉनसून सत्र सारथक होई अउर सकारात्मक चरचा से भरपूर होई। प्रधानमंत्री ऑपरेसन सिंदूर के बाद सर्वदलीय प्रतिनिधिमण्डल की ओरि से कइल गइल कोसिस क खास तौर से चरचा कइलीं।

पहलगाम की क्रूर हत्या, अत्याचार, नरसंहार पूरी दुनिया चौक उठी थी। आतंकवादी और आतंकवादी के आके दुनिया का ध्यान उनकी तरफ केन्द्रित हुआ और उस समय दलहित छोड़ करके देशहित में हमारे ज्यादातर दलों के प्रतिनिधि, ज्यादातर राज्यों के प्रतिनिधि ने विश्व भ्रमण किया। दुनिया के अनेक देशों में गए और एक स्वर से दुनिया के सामने आतंकवादियों का आका पाकिस्तान को बेनकाब करने का एक बहुत सफल अभियान चलाया।

प्रधानमंत्री मोदी कहलें कि भारत आतंकवाद से ले के नक्सलवाद ले बहुते हिंसक चुनौतियन क सामना कइले हौ बाकिर आजु नक्सलवाद अउर माओवाद क परभाव तेजी से कम हो रहल बा। उहां के कहलीं कि कई देसन में यूपीआई क लोकप्रियता बढ़ले के सथहीं डिजिटल भारत, दुनिया में धूम मचा रहल हौ।

मॉनसून सत्र के पहिला दिन्ने ऑपरेसन सिंदूर पर चरचा के सथहीं कई गो मुद्दन पर बिपक्ष क सदस्य नाराबाजी कइलें। येह दौरान रक्षा मंत्री अउर लोकसभा में उपनेता राजनाथ सिंह कहलें कि सरकार कउनहूं प्रस्तावित बिसय पर चरचा बदे पुरहर तइयार हौ। ओहीं, लोकसभा क नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी आरोप लगवलें कि सरकार बिपक्षी सदस्यन के सदन में बोले नाहीं दे रहलि हौ।

****

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष कहले हवे कि भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम की ओरि से बरिस दुइ हजार सोरह में लांच कइल गइल यूपीआई उपयोगकरता लोगिन के एक्के मोबाइल ऐप में कई बैंक खाता के लिंक कइले अउर असानी से जुरते लेनदेन कइले में सक्षम बना के देस के भुगतान पारिस्थितिकी तंत्र में क्रांति ले आ दिहले हौ। एगो रिपोर्ट–

इसके अंतर्गत न केवल भुगतान को सरल बनाया गया है बल्कि लाखों छोटे व्यवसायों को भी न्यूनतम लागत पर डिजिटल भुगतान अपनाने में सक्षम किया गया है। आंकड़ों के अनुसार यूपीआई से अब प्रतिमाह 18 अरब से अधिक का लेन–देन हो रहा है। यह भारत के कुल डिजिटल भुगतानों का पच्चासी प्रतिशत है। समाचार कक्ष से पूजा।

****

देवाधिदेव महादेव भगवान शंकर क बहुते प्रिय सावन महिन्ना के दुसरका सोम्मार के आजु प्रदेस भर के शिवालयन में तड़के से सरधा अउर उछाह क माहौल हौ। येह मौका पर बनारस के काशी विश्वनाथ धाम के सथहीं राज्य के सज्जो प्रमुख शिवालयन में काड़वड़िया पवित्र नदियन से जल भरि के भगवान भोलेनाथ क जलाभिषेक कइलें। बनारस में काशी विश्वनाथ धाम प्रसासन की ओरि से कांवड़ियन पर फूल बरसावल गइल अउर गोदौलिया चौराहा पर ओइजा क लोगि कांवड़ियन क पांव धो के उनकर स्वागत कइलें। सावन के दुसरका सोम्मार पर बाबा विश्वनाथ क खास श्रृंगारो कइल गइल। भगवान राम क नगरी अजोध्या में सरधालु सरजू नदी में नहइले के बादे नागेश्वरनाथ महादेव क जलाभिषेक कइलें। गोरखपुर के पिपराइच के मोटेश्वर शिव मंदिर, देउरिया के रूद्रपुर के दुग्धेश्वरनाथ मंदिर संतकबीरनगर जिला क तामेश्वरनाथ मंदिर, बस्ती जिला क भदेश्वरनाथ मंदिर अउर महराजगंज जिला के इटहिया क प्राचीन शिव मंदिर में जलाभिषेक बदे दुपहरिया बाद ले सरधालुअन क लमहर कतार देखल गइल। राज्य के पच्छिमी जिलन में खास कांवड़ राहि पर सरकार के निरदेस पर प्रसासन कांवड़ियन पर फूल बरसा के उनकर स्वागत कइलस।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ येह समय के बांग्लादेस अउर बरिस ओन्नइस सौ एकहत्तर ले पूरबी पाकिस्तान से विस्थापित हो के राज्य के कई जिलन में बसल परिवारन के कानूनन भूमि स्वामित्व क अधिकार दिहले क निरदेस दिहले हवें। लखनऊ में एगो उच्चस्तरीय बइठकी में मुख्यमंत्री कहलें कि ई खाली जमीनि हस्तांतरण क मामिला नाहीं हौ। ई भारत में सरण लेवे वाले अउर दसकन से पुनर्वास क इंतिजार कइ रहल हजारो परिवारन के जीवन संघर्स के सम्मान दिहले क मौका हौ। उहां के कहलीं कि येह परिवारन के साथे संवेदनसीलता के साथे–साथ उचित सम्मान क ब्यौहार कइल जाये के चाही।

****

मौसम विज्ञान विभाग आवे वाला दुइ दिन में पच्छिमी उत्तर प्रदेस में कुछु जगहिनि पर जबकि पूरबी उत्तर प्रदेस में कहीं–कहीं गरज–चमकि के साथे बौछार परले अउर बरखा भइले क सम्भावना जतवले हौ। येह बिच्चे, मॉनसूनी बरखा के नाते कई गो नदियन क जलस्तर उफान पर बा। बलिया जिला में गंगा नदी क जलस्तर गायघाट गेज पर खतरा के चीन्हा से उप्पर हौ।

****